

**Concern over selling of shares of the UNI to A TV company**

**श्री अली अनवर (बिहार):** महोदय, यूएनआई, जिसकी स्थापना 1961 में प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी, के करीब 60 प्रतिशत शेयर एक टी.वी. कम्पनी ने खरीद लिए हैं। इससे यूएनआई की स्वायत्तता और स्वतंत्रता तथा प्रेस की आजादी के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। पंडित नेहरू ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समाचार प्रवाह के लिए ही देश में इस एजेंसी की स्थापना की थी। यह संस्था सहकारिता के आधार पर कम्पनी कानून 25 (ए) के तहत बनी थी, जिसका लाभांश कोई नहीं ले सकता है। यूएनआई का बिकना भारतीय लोकतंत्र के लिए भी घातक है। इतना ही नहीं, निजी कंपनी की साजिश के दबाव में यूएनआई के तीन कर्मचारियों को बर्खास्त भी कर दिया गया है और एक कर्मचारी नेता का तबादला अगरतला कर दिया गया है। यूएनआई के कर्मचारी करीब दो महीने से आंदोलन कर रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिया है। सूचना के एकाधिकार को तोड़ने के लिए ही यूएनआई की स्थापना की गई थी। यह अजीब विडम्बना है कि 40 वर्ष बाद एक निजी कंपनी ने इसे खरीद कर अपना एकाधिकार जमाने की कोशिश की है।

यूएनआई उर्दू सर्विस की स्वायत्तता में सरकार ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अतिरिक्त सहायता दी है। इसके अलावा यूएनआई को सस्ते दर पर जमीन, दूरसंचार सेवाएं भी दी गई हैं, क्योंकि यह एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था है।

मैं सदन का ध्यान इस अत्यंत गंभीर विषय की ओर खींचना चाहता हूं और सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग करता हूं।

**SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh):** Sir, I associate myself with the Special Mention made by Shri Ali Anwar.

**SHRI MOINUL HASSAN (West Bengal):** Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Shri Ali Anwar.

**SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal):** Sir, we all want to associate ourselves with the Special Mention made by Shri Ali Anwar.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay.

**Need to save lakhs of Beedi workers**

**SHRI MOINUL HASSAN (West Bengal):** Sir, the Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act 2003 and the